UNIVERSITY NEWS 17 JANUARY 2026

AMAR UJALA

लविवि कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने संकाय अध्यक्षों के साथ की पहली बैठक

विधि पाठ्यक्रमों में क्लैट और एमबीए में कैट से होंगे दाखिले

रविशंकर गुप्ता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में विधि विभाग में प्रवेश कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट (क्लैट) के माध्यम से और एमबीए पाठ्यक्रमों में कॉमन एडमिशन टेस्ट (कैट) के आधार पर करने की तैयारी है। कुलपति प्रो. जेपी सैनी ने शुक्रवार को सभी संकाय अध्यक्षों के साथ पहली बैठक की। इसमें प्रवेश के साथ ही प्लेसमेंट पर चर्चा हुई।

कुलपित ने बैठक में ऑनलाइन पढ़ाई की व्यवस्था शुरू करने पर विशेष जोर दिया। इसका उद्देश्य देश-विदेश से विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने के साथ-साथ विश्वविद्यालय के राजस्व में भी वृद्धि करना है।

बैठक के दौरान कुलपति ने विभिन्न संकायों के अध्यक्षों से ऑनलाइन शिक्षा को लेकर सुझाव भी मांगे। साथ ही विश्वविद्यालय में शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच संवाद की दूरी कम करने तथा विभिन्न विभागों में लंबित प्रकाशनों को शीघ्र पूर्ण कराने पर भी जोर दिया गया। बैठक में रजिस्ट्रार भावना मिश्रा, परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी सहित सभी संकाय अध्यक्ष उपस्थित रहे। (संवाद)

ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के लिए अलग से होंगे प्रवेश

विश्वविद्यालय की ओर से ऑनलाइन पढ़ाई के लिए अधिकांश पाठ्यक्रमों में प्रवेश देने की योजना है। इसके लिए विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अलग से विकल्प जोड़ा जाएगा, ताकि विद्यार्थी आसानी से ऑनलाइन पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन कर सकें।

■ **इंजीनियरिंग छात्रों के प्लेसमेंट को मिलेगा बढ़ावा :** इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थियों को बेहतर रोजगार अवसर उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न कंपनियों से संपर्क किया जाएगा। टेक्निकल पदों पर भर्ती के लिए कैंपस प्लेसमेंट सेल को सक्रिय किया जाएगा। कुलपति ने प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. अनूप भारतीय को संभावित विद्यार्थियों का डाटा तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

“ विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को ऑनलाइन पढ़ाई की सुविधा देने के लिए एक ठोस कार्ययोजना तैयार की जाएगी। इससे देश के साथ-साथ विदेशी विद्यार्थियों को भी लखनऊ विश्वविद्यालय से पढ़ाई का अवसर मिलेगा। - **प्रो. जेपी सैनी,** कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालय

सेमेस्टर परीक्षा के परिणाम जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से बीटेक सातवें सेमेस्टर परीक्षा के परिणाम शुक्रवार को जारी कर दिए गए। प्रवक्ता प्रो. मुकुल श्रीवास्तव ने बताया कि बीटेक सातवें सेमेस्टर सिविल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस, कंप्यूटर इंजीनियरिंग एआई, बीटेक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और मैकेनिकल इंजीनियरिंग का परिणाम जारी किया गया है। (संवाद)

HINDUSTAN

दक्षिण के छात्र भी लें दाखिला प्लेसमेंट पैकेज बढ़े: जेपी सैनी

लखनऊ, संवाददाता। एलयू की विधि, प्रबंधन जैसे संकायों की अवधारणा ऐसी बनाएं जिससे दक्षिण भारत से भी विद्यार्थी यहां पढ़ने आ सकें। इसके अलावा विवि की ओर से छात्रों को सर्वाधिक पैकेज दिलाने का प्रयास किया जाए। यह निर्देश कुलपति प्रोफेसर जेपी सैनी ने गुरुवार को विवि के संकायों के अधिष्ठाताओं संग हुई बैठक में दिए।

कुलपति प्रोफेसर सैनी ने सभी डीन से परिचय प्राप्त किया। एक-एक कर डीन से कार्यों और पाठ्यक्रमों की जानकारी प्राप्त की। छात्र संख्या का ब्यौरा मांगा।

रिजल्ट जारी : बीटेक सिविल, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, सीएसई-एआई, इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग सातवें सेमेस्टर का परिणाम जारी कर दिया गया।

प्रवेश पत्र न जारी होने पर छात्रों ने प्रदर्शन किया

एलयू में एमए शिक्षाशास्त्र के दर्जनों छात्रों की अटेंडेंस कम होने पर परीक्षा फॉर्म अग्रसारित न करने और प्रवेश पत्र जारी न होने के कारण प्रदर्शन हुआ। विद्यार्थियों ने प्रशासनिक भवन पहुंचकर प्रवेश पत्र जारी करने की मांग की। प्रॉक्टोरियल बोर्ड ने मनाने की कोशिश की, मगर छात्र किसी की सुनने को तैयार नहीं थे।

शोध: पालक में नहीं घुल सकेगा आर्सेनिक

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने ऐसी तकनीक विकसित की है जिससे पालक में आर्सेनिक जैसा जहरीला तत्व आसानी से प्रवेश नहीं कर सकेगा। इससे पालक सुरक्षित, स्वस्थ और अच्छी गुणवत्ता वाली होगी। बता दें कि देश के कई हिस्सों में मिट्टी और पानी में आर्सेनिक की बढ़ती मात्रा खेती और स्वास्थ्य दोनों के लिए बड़ी समस्या बन गई है।

इस चुनौती से निपटने के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में प्रो. मोहम्मद इसराईल अंसारी की अगुवाई में शोधकर्ताओं ने एक नई और पर्यावरण के अनुकूल तकनीक विकसित की है। यह शोध नीदरलैंड की प्रतिष्ठित पत्रिका 'प्लांट स्ट्रेस' (एल्सेवियर) में प्रकाशित हुआ है।

DAINIK JAGRAN

विद्यार्थियों को फिर मिलेगी आनलाइन लेक्चर की सुविधा

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को फिर से लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) के माध्यम से आनलाइन रिकार्डेड लेक्चर की सुविधा मिलनी शुरू होगी। शुक्रवार को कुलपति प्रोफेसर जेपी सैनी ने मंथन हाल में सभी अधिष्ठाताओं के साथ बैठक कर इसे फिर से शुरू करने के लिए कहा।

बैठक के दौरान कुलपति को बताया गया कि कोरोना काल में लखनऊ विश्वविद्यालय ने एलएमएस पोर्टल स्केल के नाम से संचालित किया जा रहा था। बीते कुछ समय से यह सक्रिय नहीं है। इस पर कुलपति ने कहा कि इनफ्लिब नेट में एलएमएस की सुविधा दी जाती है। उसे लवि के एलएमएस के साथ इंटीग्रेट कर लें। शिक्षक भी विश्वविद्यालय के स्टूडियो में अपने वीडियो लेक्चर रिकार्ड करके एलएमएस पर अपलोड करें ताकि छात्र-छात्राएं लागिन पासवर्ड के माध्यम से इसकी सुविधा का लाभ उठा सकें।

क्लैट से विधि, कैट से एमबीए के प्रवेश : कुलपति ने सभी अधिष्ठाताओं से उनके यहां संचालित पाठ्यक्रम, प्रवेश प्रक्रिया, छात्र और संकाय की संख्या आदि पर बात की। विश्वविद्यालय में क्लैट के माध्यम से विधि और कैट से एमबीए कोर्स में प्रवेश लिए जाने पर अपने सुझाव रखे। कुलपति प्रोफेसर जेपी सैनी ने कहा कि लवि की एनआइआरएफ, क्यूएस आदि रैंकिंग को और ऊपर ले जाने के लिए शोक प्रकाशन, पेटेंट को बढ़ावा देना जरूरी है। इस दिशा में विभाग और कार्य करें। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय को एकेडमिक क्षेत्र में ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए सभी को मिलकर काम करना है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी सैनी मंथन हाल में सभी अधिष्ठाताओं के साथ बैठक कर दिए सुझाव

लखनऊ विश्वविद्यालय ने खोजी पालक को आर्सेनिक से बचाने की नई तकनीक, होगा फायदा

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रोफेसर मोहम्मद इसराईल अंसारी ने अपनी टीम के साथ पर्यावरण के अनुकूल ऐसी नई तकनीक विकसित की है जो पालक को आर्सेनिक से काफी हद तक बचा सकती है। शोध के अनुसार पौधों से बनाए गए सिल्वर क्वांटम डाट्स नामक बेहद सूक्ष्म कणों का उपयोग करके पालक को आर्सेनिक से सुरक्षित रखा जा सकता है। यह शोध हाल ही में नीदरलैंड्स की प्रतिष्ठित पत्रिका 'प्लांट स्ट्रेस' (एल्सेवियर) में प्रकाशित हुआ है।

प्रोफेसर अंसारी बताती हैं कि देश के हजारों किसान आज ऐसी जमीन पर खेती करने को मजबूर हैं जहां मिट्टी और पानी में आर्सेनिक का जहर घुल चुका है। इन हालात में सुरक्षित और अच्छी गुणवत्ता की सब्जी उगाना उनके लिए दिन प्रतिदिन मुश्किल होता जा रहा है। कई हिस्सों में मिट्टी और पानी में आर्सेनिक की बढ़ती मात्रा खेती और स्वास्थ्य दोनों के लिए बड़ी समस्या बन गई है। पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश, असम और पंजाब जैसे राज्यों में यह समस्या ज्यादा गंभीर है। जहरीला आर्सेनिक फसलों में चला जाता है और फिर हमारे खाने में शामिल हो जाता है। खास तौर पर पालक जैसी हरी सब्जियां आर्सेनिक को तेजी से अपने अंदर जमा कर लेती हैं, जिससे लंबे समय तक सेवन करने पर कैंसर, नसों की बीमारी और दिल से जुड़ी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। इस चुनौती से निपटने के लिए यह तकनीक उपयोगी साबित होगी।

तैयार किए क्वांटम डाट्स : शोध टीम की ओर से विकसित क्वांटम डाट्स पौधों के अंदर एक सुरक्षा कवच की तरह काम करते हैं और आर्सेनिक को खाने योग्य पत्तियों तक पहुंचने से रोकते हैं। यह तकनीक न केवल सुरक्षित है बल्कि पूरी तरह पर्यावरण के अनुकूल भी है। इन क्वांटम डाट्स को पालक की पत्तियों से ही एक हरित प्रक्रिया के जरिए तैयार किया गया। जब इन कणों को आर्सेनिक से दूषित मिट्टी में डाला गया, तो उन्होंने पौधों की कोशिकाओं के अंदर जाकर काम किया। जड़ों से पत्तियों तक आर्सेनिक जहर के पहुंचने की मात्रा को काफी कम किया। इससे पालक ज्यादा स्वस्थ रही। साथ ही ये सूक्ष्म कण पौधों की अपनी रक्षा प्रणाली को भी मजबूत करते हैं, जिससे वे प्रदूषित माहौल में भी बेहतर तरीके से बढ़ पाते हैं। पत्तियां ज्यादा हरी रहती हैं, पौधे की पैदावार अच्छी होती है। यह तकनीक आर्सेनिक से प्रभावित इलाकों में खेती के लिए नई उम्मीद बन कर किसानों को सुरक्षित और स्वस्थ सब्जियां उगाने में मदद कर सकती है। शोध टीम में वनस्पति विभाग के शोधार्थी मो. आमिर, अब्दुल रहीम, एमिटी यूनिवर्सिटी से सै. उजमा, मौलाना आजाद यूनिवर्सिटी के सहायक प्रोफेसर मो. दानिश भी शामिल रहे।

- सिल्वर क्वांटम डाट्स से पालक को आर्सेनिक जैसे जहरीले तत्व से बचाने में मिली सफलता
- नीदरलैंड्स की प्रतिष्ठित पत्रिका 'प्लांट स्ट्रेस' (एल्सेवियर) में प्रकाशित हुआ शोध

शोध में शामिल प्रो. मो. इसराईल, मो. आमिर व अन्य छात्र • लवि

HINDUSTAN TIMES

'Focus on enhancing research, improving university ranking'

After stepping in as the new vice-chancellor of Lucknow University, Prof Jai Prakash Saini has begun to address the numerous challenges facing the institution. **In a discussion with Godhooli Sharma**, the V-C emphasised that his primary focus remains on enhancing research, fostering innovation and improving the university's ranking. Edited excerpts:

What are your plans to tackle the financial crisis which the university is currently facing?

I am informed about the financial health of the university, but I am yet to understand it in depth from the officials in the finance department. After gaining insights about it, I will try bringing the picture in front of government officials and discuss ways to uplift the financial situation. I would also work upon possible solutions such as resource generation, revenue, expenditure and investments. I will work upon a proper strategy for the same.

Your focus areas and how are you planning to act upon them?

My focus will be on improving quality of education, especially in terms of research. I will also concentrate on enhancing the university's ranking and have a re-look at various policy decisions to ensure maximum gain in terms of research outcome. Optimal utilisation of existing resources will also be my area of focus.

How do you plan to implement your technical expertise in the university's day-to-day working?

My technical expertise will have a positive impact on the university...will try implementing it to bring transparency in day-to-day working of the institution.

How are you planning to resolve problems faced by teachers, students?

The university works efficiently with collaboration and support from teachers and students. I will ensure all teachers get their dues, which will ensure efficiency. I would like to set up a transparent system where grievances of teachers and students are heard and resolved. I will also ensure interaction with affiliated colleges where I want to create an atmosphere of quality education and 100% enrollment, which, in turn, will also help the university in strengthening its resources.

I NEXT

पालक को आर्सेनिक से बचाने की एलयू ने खोजी तकनीक

LUCKNOW (16 Jan): एलयू के वनस्पति विज्ञान विभाग के प्रोफेसर मोहम्मद इसराईल अंसारी ने अपनी टीम के साथ पर्यावरण के अनुकूल ऐसी नई तकनीक विकसित की है जो पालक को आर्सेनिक से काफी हद तक बचा सकती है. शोध के अनुसार पौधों से बनाए गए सिल्वर क्वांटम डाट्स नामक बेहद सूक्ष्म कणों का उपयोग करके पालक को आर्सेनिक से सुरक्षित रखा जा सकता है. यह शोध हाल ही में नीदरलैंड्स की प्रतिष्ठित पत्रिका 'प्लांट स्ट्रेस' (एल्सेवियर) में प्रकाशित हुआ है. प्रोफेसर अंसारी बताती हैं कि देश के हजारों किसान आज ऐसी जमीन पर खेती करने को मजबूर हैं जहां मिट्टी और पानी में आर्सेनिक का जहर घुल चुका है. इन हालात में सुरक्षित और अच्छी गुणवत्ता की सब्जी उगाना उनके लिए दिन प्रतिदिन मुश्किल होता जा रहा है. कई हिस्सों में मिट्टी और पानी में आर्सेनिक की बढ़ती मात्रा खेती और स्वास्थ्य दोनों के लिए बड़ी समस्या है.

AMAR UJALA

प्रदूषित माहौल में उगेंगी स्वस्थ पत्तेदार सब्जियां

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। पत्तेदार हरी सब्जियां उगाने वाले किसानों के लिए राहत भरी खबर है। अब प्रदूषित मिट्टी और पानी में भी हरी व पत्तेदार सब्जियां न केवल उगाई जा सकेंगी, बल्कि उनके पत्ते भी स्वस्थ और सुरक्षित रहेंगे। लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग ने सिल्वर क्वांटम डॉट्स आधारित एक नई तकनीक विकसित की है, जो आर्सेनिक जैसे जहरीले तत्वों से फसलों को बचाने में कारगर साबित हो रही है।

विभाग के अनुसार देश के हजारों किसान ऐसी जमीन पर खेती करने को मजबूर हैं, जहां मिट्टी और भूजल में आर्सेनिक की मात्रा खतरनाक स्तर तक पहुंच चुकी है। पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश, असम और पंजाब जैसे राज्यों में यह समस्या गंभीर बनी हुई है। ऐसे में सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण सब्जियों का उत्पादन किसानों के लिए चुनौती बनता जा रहा है।

इस चुनौती से निपटने के लिए वनस्पति विज्ञान विभाग में प्रो. मोहम्मद इसराइल अंसारी के नेतृत्व में शोधकर्ताओं की टीम ने पर्यावरण के अनुकूल तकनीक विकसित की है। इस तकनीक में पौधों से तैयार किए गए सिल्वर क्वांटम डॉट्स का उपयोग किया गया है।

ये अत्यंत सूक्ष्म कण पौधों के भीतर सुरक्षा कवच की तरह काम करते हैं और आर्सेनिक को जड़ों से पत्तियों तक पहुंचने से काफी हद तक रोक देते हैं। यह तकनीक न केवल पौधों की आंतरिक रक्षा प्रणाली को मजबूत करती है, बल्कि प्रदूषित वातावरण में भी उनकी वृद्धि और पैदावार को बेहतर बनाती है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग का महत्वपूर्ण शोध

DAINIK JAGRAN

छह कोर्सों के परिणाम घोषित

लखनऊ : लवि ने बी.टेक के छह कोर्सों में सातवें सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए गए। इनमें बी.टेक सिविल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग व एआइ, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और बी.टेक इलेक्ट्रनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग कोर्स हैं।

NBT

एलयू वीसी ने डीन के साथ की चर्चा

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊ:** लखनऊ विश्वविद्यालय के नए वीसी प्रो. जेपी सैनी ने शुक्रवार से विधिवत काम शुरू कर दिया है। पहले दिन वीसी ने विवि के सभी संकायों व सेल्स के डीन के साथ एक बैठक की। इसमें सभी सेल्स व संकाय में शिक्षक, छात्र संख्या व काम काज के बारे में जानकारी ली। साथ ही अलग-अलग संकायों में क्या क्या समस्या है या क्या बेहतर किया जा सकता है इस पर डीन के साथ चर्चा की।

शुक्रवार को सभी विभागों के हेड व शिक्षकों ने भी वीसी से मुलाकात की। अब वीसी की ओर से पहली चुनौती डीएसडब्ल्यू की होगी। अब तक डीएसडब्ल्यू का काम देख रहे प्रो. वीके शर्मा का रिटायरमेंट हो गया है। ऐसे में केमिस्ट्री की हेडशिप प्रो. अभा बिश्नोई को सौंप दी गई है। डीएसडब्ल्यू वीसी नियुक्त करते हैं ऐसे में इसकी तैनाती अब तक नहीं हुई है।

I NEXT

एलयू वीसी का पहला मिशन

एकेडमिक्स, रिसर्च और एडमिनिस्ट्रेशन में सुधार

एलयू वीसी प्रो. जयप्रकाश सैनी ने डीजे आईनेक्स्ट को बताईं अपनी प्राथमिकताएं

LUCKNOW (16 Jan, inext): शिक्षा के क्षेत्र में लगातार आगे कदम बढ़ा रही लखनऊ यूनिवर्सिटी के नवनियुक्त वाइस चांसलर प्रो. जयप्रकाश सैनी ने अपना पदभार ग्रहण कर लिया है. वे अपनी पॉजिटिव अप्रोच और अनुभव के साथ यूनिवर्सिटी को बेहतरी के रास्ते पर लाने के लिए पूरी तरह से डेडिकेटेड दिखाई दे रहे हैं. प्रो. जेपी सैनी का टेक्नोलॉजी के साथ काफी पुराना संबंध रहा है और वे टेक्नोलॉजी को ही सिस्टम में ट्रांसपेरेंसी लाने का मुख्य हथियार मानते हैं. लखनऊ यूनिवर्सिटी का पदभार ग्रहण करने और इसकी बेहतरी के लिए उनका विजन क्या है, यह जानने के लिए दैनिक जागरण आईनेक्स्ट की रिपोर्टर खुशी दुबे ने उनसे बात की. आइए जानते हैं एलयू के लिए क्या है उनका विजन...

PIC: DAINIK JAGRAN I NEXT

सोर्स आफ इनकम

लखनऊ यूनिवर्सिटी में बीते कुछ माह से फाइनेंशियल क्रंच की स्थिति बनी हुई है. इस पर वीसी प्रो. सैनी का कहना है कि यूनिवर्सिटी और इसके सभी पहलुओं को गहनता से समझने के बाद हम न सिर्फ गवर्नमेंट से बात करेंगे बल्कि यूनिवर्सिटी में भी सोर्स ऑफ इनकम के नए-नए ऑप्शन भी तलाशेंगे. इस बात पर पूरा फोकस रहेगा कि किस तरह से हम सभी चीजों को मैनेज करते हुए लखनऊ यूनिवर्सिटी को प्रगति के पथ पर तेजी के साथ अग्रसर कर सकें.

रैंकिंग करेंगे बेहतर

यूनिवर्सिटी को नई दिशा देने को लेकर प्रो. सैनी का कहना है कि रिसर्च और इनोवेशन पर फोकस के साथ यूनिवर्सिटी की कोर फैसिलिटीज पर काम करके हम रैंकिंग में और बेहतर पोजीशन पर पहुंचने का प्रयास करेंगे. इसके साथ ही हम एफिलिएटेड कॉलेजेस की क्वालिटी को भी सुधारने पर फोकस करेंगे खासतौर पर वो कॉलेजेस जो रूरल एरियाज में हैं. वहां भी सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रयास रहेगा.

तीन प्वाइंट पर मजबूती से काम

अपने कोर विजन को लेकर बात करते हुए प्रो. सैनी ने कहा कि हमें एकेडमिक्स, रिसर्च और एडमिनिस्ट्रेशन तीनों लेवल पर मजबूती से काम करना है. किसी भी एजुकेशनल इंस्टीट्यूट के बेस यही हैं, अगर ये मजबूत होंगे तो यूनिवर्सिटी निश्चित ही तरक्की करेगी. इस पर पूरा फोकस रहेगा.

स्टूडेंट्स सिस्टम का अहम हिस्सा

यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट्स को अहम हिस्सा मानते हुए वाइस चांसलर प्रो. सैनी का कहना है कि स्टूडेंट्स की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाएगा और उनके वेलफेयर के लिए जो भी फैसिलिटीज जरूरी हैं, वो स्टूडेंट्स को मिलेंगी. कोई भी स्टूडेंट डायरेक्टली अपनी बात रख सकता है. इसके साथ ही प्रो. सैनी का कहना है कि सभी को साथ लेकर चलना है और जो भी इश्यूज होंगे वो सब क्लियर किए जाएंगे.